Drishti Mentorship Program Mains-2023

ESSAY-1

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Jatin Kumar

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Email:

Center & Date: Online – 17.08.2023

UPSC Roll No.: 6307371

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	Essay Topic No.	Marks
Section-A		45
Section-B		
(Grand Total)		

D01306

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

---

(1) संदर्भ दक्षता ठीक है।

(2) परिचय दक्षता में सुधार का प्रयास करें।

(3) विषय वस्तु के स्तर पर और ध्यान करें, निबंध के केंद्रीय थीम पर फोकस रहने का प्रयास करें।

(4) भाषा में प्रवाह लाने का प्रयास करें।

(5) निष्कर्ष दक्षता ठीक है।

(6) प्रस्तुति दक्षता ठीक है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ESSAY-01

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

बहुमत की सहमति नैतिक रूप से गलत होने की प्रकृति को नहीं बदल सकती।

—

हाल ही में मणिपुर में कुकी व मैतेई समुदाय के मध्य हिंसा से पूरा मानव समाज चिंतित हुआ। एक झकझोर कर देने वाली घटना मणिपुर में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने की भी देखने को मिली जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस प्रक्रिया में हमें भीड़ की मौन स्वीकृति देखने को मिली।

निबंध की शुरुआत किसी उदाहरण, छोटी कहानी या कविता से सदैव अधिक प्रभावी रहता है।

जिम्मेदार लोगों को सजा प्रदान करने की आवश्यकता तो है ही साथ ही हमें मानव को मानव के रूप में स्थापित करने, मूल्यों का प्रचार करने की आवश्यकता है। बहुमत की मौन सहमति इस घटना को कदापि नैतिक एवं उचित साबित नहीं कर सकती। यहाँ एक बात कहना सर्वथा उचित होगा कि जिसके पीछे भीड़ चली है, यह आवश्यक नहीं कि वह रास्ता सही ही हो।

लेखन शैली में प्रवाह लाने का प्रयास करें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

नैतिकता को परिभाषित करें।

भारतीय इतिहास भी ऐसे अनेक उदाहरणों का साक्षी रहा है। सती प्रथा का पालन पारम्परिक भारतीय समाज करता आ रहा था। अपने पति की मृत्यु के बाद पत्नी को उसकी चिता पर जिन्दा ही जलना पड़ता था। इसे सामाजिक स्वीकृति होने भर से यह कृत्य नैतिक हो जाता हो, यह सोच से परे है।

अंग्रेजों द्वारा विधानसभाओं में रॉलेट एक्ट तो पास कर दिया गया जिसका आधार बहुमत था। किन्तु क्या किसी के घर में घुसकर खोजबीन करने, बिना जाँच के गिरफ्तारी को नैतिक कहा जा सकता है?

भारत की आजादी के दौरान सर्वाधिक विभीषिका भारत के विभाजन से देखने को मिली। एक विशाल क्षेत्र पाकिस्तान बन गया। माउंटबेटन के एक फैसले से भारतीय भूगोल विकृत हो गया था। एक कागज के टुकड़े ने नैतिकता से परे जाकर निर्णय लिया और संवेदनाओं की आहुति दे दी। प्राकृतिक रूप से एक उपमहाद्वीप के मध्य अब सीमाएं खींच दी गयी।

बहुमत की सहमति?

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भौगोलिक प्रदेशवार विविधता भारत की विशिष्टता ही कही जायेगी। भारत 'भीख के कटोरे' से 'निर्यातक देश' के रूप में हरित क्रांति की बदौलत ही स्थापित हो सका। 1960 के दशक में हरित क्रांति ने उत्तर-पश्चिमी भारत को खाद्यान्न से भरपूर कर दिया।

हरित क्रांति के नकारात्मक परिणाम आज साक्षात दृष्टिगत हैं। प्रकृति प्रदत्त मृदा एवं उत्पादक क्षमता से छेड़छाड़ करना कहाँ ही नैतिक था। हालांकि यह आवश्यक तो था किन्तु नैतिक आधार इस पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

भारत सरकार की हाल की 'नदी जोड़ो परियोजना', पानी के पुनर्वितरण हेतु अति महत्वपूर्ण है। भविष्य में पृथ्वी की मूल संरचना एवं नदी के बहाव की दिशा के भटकाव से यदि प्राकृतिक आपदाएं एवं असन्तुलन उत्पन्न हो जाये तो हमें अचम्भित नहीं होना चाहिए। बहुमत के आधार पर निर्णय तात्कालिक रूप से सही लग सकते हैं किन्तु नैतिकता की दहलीज पर खड़े रहना भी तो आवश्यक है।

निबंध के मैसेज पर फोकस रहने का प्रयास करें।

हिटलर का जर्मनी बहुमत की सरकार का उदाहरण

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

नैतिकता की दहलीजें लाँघने पर ही पुरुष-स्त्री के मध्य असमानता की चौड़ी खाई देखने को मिलती है। LGBTQ समुदाय को समाज में स्वीकृति नहीं मिलना भी नैतिकता का उल्लंघन ही है।

स्पष्टता का अभाव

किसी विशेष क्षेत्र में बहुमत के कारण किन्तु नैतिकता के अभाव में अनेक समस्याएं जन्म लेती है। भारत आज अलगाववाद एवं क्षेत्रवाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। अलगाववाद ने मनुष्य की नैतिकता पर प्रहार किया है। क्या एक विशेष समाज का भारतीय एकता से बाहर होने का निर्णय नैतिक है?

नक्सलियों द्वारा आम जन के साथ बुरा बर्ताव, भारतीय सेना से आमने-सामने लड़ाई, लूट की घटनाएं देखने को मिलती हैं किन्तु एक विशेष सोच को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का प्रयास ना तो उचित ही है और ना ही नैतिक। राजनैतिक इच्छाशक्ति से ही इस तरह की चरम सोच एवं घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है।

बहुमत या सहमति ?

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC
Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय राजनीति का एक काला अध्याय है - आपातकाल। तत्कालीन प्रधानमंत्री का यह निर्णय नैतिक तो कदापि नहीं कहा जा सकता। इस समय अनेक नेताओं को जेल में डाला गया, संविधान में अनेक संशोधन किए गए एवं नागरिकों को अधिकारों से परे रखा गया।

15 वीं लोकसभा में विधेयकों को संसदीय समितियों के पास भेजने की उचित व्यवस्था थी (लगभग 71% बिल)। 16 वीं लोकसभा आते-आते यह संख्या 27% हो गयी। विधेयक को संसद से पास करना तो बहुमत से संभव है किन्तु उस पर पूर्ण विचार विमर्श संसदीय समितियाँ ही कर पाती हैं।

भारतीय लोकतंत्र एक जीवित लोकतंत्र है जहाँ वयस्क मताधिकार का प्रावधान है। बहुमत प्राप्त सरकारें ही देश चलाती हैं। अतः जनता ही सर्वोपरि है। इस स्थिति में प्राप्त बहुमत, नैतिक रूप से भी सही होता है। अतः बहुमत व नैतिकता साथ-साथ हों तो सोने पे सुहागा हो जाता है। यही हाल अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में देखने को मिलता है।

निबंध की निर्धारित सीमा पर ध्यान देने का प्रयास करें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions In NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सर्वसम्मति

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में निर्णय पूर्ण स्वीकृति के आधार पर ही होते हैं। सभी स्थाई सदस्यों को वीटो शक्ति प्राप्त है। चीन के द्वारा आतंकवादी घोषणा (मसूद अजहर) के मुद्दे पर वीटो प्रयोग अनैतिक ही कहा जायेगा जबकि यह बहुमत का फैसला है।

सीरिया की हाल में शरणार्थी समस्या का गवाह पूरा विश्व बना। यूरोप ने अपने दरवाजे इन शरणार्थियों के लिए बंद कर लिए। एक सीरियाई बच्चे ऐलान कुर्दी की वायरल फोटो ने यूरोप के अनैतिक निर्णय को बदलने पर मजबूर कर दिया।

इसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा लगाये गये प्रतिबन्धों के कारण रूस अलग-थलग पड़ गया। इससे वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें खासी बढ़ी हैं। इस निर्णय ने लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित किया है तो क्या यह निर्णय नैतिक भी कहा जा सकता है? लोगों की जेब पर भार वृद्धि हुई है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

मानव धनार्जन के नित-नवीन तरीके खोजता है। भौतिकतावादी संस्कृति में धन को अधिक महत्त्व दिया जाता है। कम्पनियां अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए जानबूझकर माल व सेवाओं की कीमतें बढ़ा रही हैं, इसे ग्रिडफ्लेशन की संज्ञा दी जाती है।

व्यक्ति, इन्टरनेट के प्रभाव से अपनी दैनिक रोजगार प्रणाली के साथ ही अन्य क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर तलाश रहा है। इन्फोसिस एवं विप्रो जैसी कम्पनियों ने मूनलाइटिंग को अत्यधिक खतरनाक बताया है।

इसके सकारात्मक पक्षों के रूप में बढ़ी हुई आय, बढ़ा हुआ जीवन स्तर आदि को देखा जा सकता है। नैतिकता के आधार पर इसे सही ठहराना उचित नहीं होगा क्योंकि यहाँ निजता एवं किसी कम्पनी की आंतरिक सूचनाओं का प्रश्न निहित है। वैज्ञानिक खोजों ने इस क्षेत्र को और बढ़ावा दिया है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

कोविड-19 की भयावहता सभी ने देखी है। कोविड-19 अथवा अन्य किसी रोग की दवा बनाने के लिए विस्तृत अनुसंधान एवं निवेश की आवश्यकता होती है। वैक्सीन निर्माण के बाद इसे सामान्यतः जानवरों जैसे-चूहों पर प्रयोग किया जाता है। यह सभी के द्वारा सहमत प्रक्रिया है किन्तु नैतिक तो नहीं।

गज़ब विश्लेषण है

Chat GPT एवं रोबोटिक्स के युग में रोबोट ने जहां मानव की सोच तक काम करना शुरू कर दिया है वहीं चैट GPT अपने विकास की प्रारम्भिक अवस्था में हैं। संभावित खतरों एवं नैतिकता की अवहेलना का प्रदर्शन रोबोट फिल्म में देखने को मिलता है।

सूखे से बचने के लिए आज कृत्रिम बारिश के द्वारा प्रकृति को हरा-भरा रखने की कोशिश की जाती है। मौसम संशोधन का ना केवल इस पीढ़ी पर बल्कि आगामी पीढ़ियों पर एवं विश्वव्यापी पर्यावरण पर प्रभाव पड़ेगा ही।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

मानव की बढ़ती जनसंख्या के कारण वन-नाशन को बल मिला है। इससे ना केवल बारिश का प्रतिरूप ही बदला है बल्कि वनों की मात्रा में भी कमी आयी है। वन भी इस प्रकृति में बराबर के हिस्सेदार हैं। हमें जीव-केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाकर पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए।

विकास एवं पर्यावरण के मध्य द्वन्द्व की इस कड़ी में विकास को पर्यावरण के साथ, रथ के दो पहियों की तरह ले जाने की आवश्यकता है। अरावली की पहाड़ियों के चोरी होने की हाल की घटना भी मानव-पर्यावरण संघर्ष का ही उदाहरण है।

पर्यावरण विनाश की प्रक्रिया नैतिक नहीं हो सकती चाहे वह बहुमत पर ही आधारित क्यों ना हो। हमें जनजातीय समुदायों को अधिक अधिकार देकर उनसे सीखने की आवश्यकता है। पर्यावरण को बचाने के मूल कर्त्तव्य का पालन ही करना होगा।

पर्यावरण / वनाश, हाशिये प्राकृतिक रूप से भी सही नहीं है। इसके दुष्परिणाम दिखने लगे हैं।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

हमारे समाज में भ्रष्टाचार को आम मान्यता प्राप्त है जिसके कारण भ्रष्टाचार निरोधी अधिनियम होने के बावजूद भी भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में कामयाबी नहीं मिली है। भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर सही नहीं है चाहे उसे सामाजिक एवं राजनैतिक स्वीकृति ही क्यों ना प्राप्त हो, इसे नैतिक स्वीकृति प्राप्त नहीं हो सकती।

व्यक्ति अपने अन्तर्मन के आधार पर लिये गये निर्णयों में ही अपनी सर्वश्रेष्ठ नैतिकता प्रदर्शित करता है, चाहे वह उसके उत्तरदायित्व हो या फिर सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता जैसे मुद्दे।

कानूनों की अवहेलना करने पर स्वयं को श्रेष्ठतर समझना, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक मूल्यों का ह्रास आदि यह सिद्ध करने के लिए काफी हैं कि जो हो रहा है वह सही ही हो यह सर्वदा सत्य नहीं हो सकता। उसके नकारात्मक पक्षों से सरोकार अभी दूर हो सकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

यदि बहुमत और नैतिकता हाथ में हाथ डालकर चलें तो ही एक सुसभ्य, सुसंस्कृत, शांत व समावेशी समाज की स्थापना हो सकती है। कानूनों की समाज में नैतिक मान्यता होनी चाहिए ताकि उन्हें लागू करने में आसानी हो।

हमें बहुमत से आगे बढ़कर औचित्यपरक, न्यायशील एवं समतावान देश की स्थापना के लिए नैतिकता के प्रश्न पर भी सोचने की जरूरत है। यदि हम केवल बहुमत के सहारे ही खड़े रहे तो अल्पसंख्यकों के प्रति नाइंसाफी होगी।

विवेकानंद के शब्दों में कहा जा सकता है -

"नैतिक वही है जो स्वार्थी नहीं है, जो स्वार्थी है वह नैतिक नहीं हो सकता।"

• बीच-बीच में सटीक उदाहरणों का प्रयोग करें।
• विश्लेषणात्मक सोच और संतुलित
• निबंध को केन्द्रीय भाव पर केन्द्रित रखने का प्रयास करें।

45/125